

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 561]

नई विल्ली, ज्ञानिकार, विसम्बर 31, 1977/पौष 10, 1899

No. 561]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977/PAUSA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st December 1977

S.O 869(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of the State of Bihar, hereby extends to the whole of the State of Bihar, the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment for the investigation of offences punishable under sections 120B, 427 and 447 of the Indian Penal Code. 1860 (45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences committed in the course of the same transaction, in regard to the case registered at Bormo (Chandrapura) Police Station as Case No. 16 on the 14th October, 1977

[No 228/13/77-AVD II]

R C MISRA, Addl. Secv.

गृह मन्नालय

(कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1977

का० भा० 869(भ).—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना श्रिधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पिठत, धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, विहार राज्य सरकार की सहमित से एतद्द्वारा दिनाक 14 श्रक्तूबर, 1977 को बेरमो (चन्द्रपुरा) पुलिस स्टेशन से केस स० 16 के रूप से दर्ज मामले के सम्बन्ध में, भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1860 का 45) की धारा 120-बी, 427 तथा 447 के श्रधीन दण्डनीय श्रपराधो भ्रथवा उक्त श्रपराधो के सम्बन्ध में या उनसे सम्बन्धित प्रयत्नो, दुष्प्रेरणो श्रीर पड्यन्त्रो श्रीर उसी संव्यवहार के दौरान श्रन्वेषण करने के लिए दिल्ली विणेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियो श्रीर श्रधिकारिता का समस्त बिहार राज्य में विस्तार करती है।

[स॰ 228/13/77-ए॰वी॰डी॰-II]

रमेश चन्द्र मिश्र, श्रपर सचिव ।